Shingaar Maa Chinta Purni Da Lyrics in Hindi English Punjabi

Shingaar Maa Chinta Purni Da Lyrics in Punjabi

ਸਭਨਾਂ, ਤੇ ਉਥਕਾਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ, ਪੁਰਨੀ ਦਾ ॥,
‘ਰੋਜ਼, ਨਵਾਂ ਸ਼ਿੰਗਾਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ, ਪੁਰਨੀ ਦਾ’ ॥

ਲਾਲ ਲਾਲ ਹੀ, ਚੂੜ੍ਹੀਆਂ ਮਾਂ ਦੀਆਂ,
ਲਾਲ ਹੀ, ਮਾਂ ਦੀਆਂ, ਚੁੰਨੀਆਂ ਨੇ ।
ਓਹਦੇ ਘੇੜ੍ਹੇ, ਧਾਰ ਹੋਵਣ,
“ਜੀਹਨੇ ਵੀ, ਡੋਰੀਆਂ ਸੁੱਟੀਆਂ ਨੇ” ॥
ਮਿਲਦਾ, ਸਭ ਨੂੰ ਥਿਆਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ ਪੁਰਨੀ ਦਾ ॥,
‘ਰੋਜ਼ ਨਵਾਂ ਸ਼ਿੰਗਾਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ ਪੁਰਨੀ ਦਾ’ ॥

ਰੰਗ ਬਿਰੰਗੇ, ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਨਾਲ,
“ਮਾਂ ਦੀ, ਥਿੰਡੀ ਸੱਜਦੀ ਏ” ।
ਜੀ ਕਰਦਾ, ਮੈਂ ਵੇਖੀ ਜਾਵਾਂ,
“ਘੜ੍ਹੀ, ਥਿਆਰੀ ਲੱਗਦੀ ਏ” ॥
ਸਭ, ‘ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਕਰਨ ਦੀਦਾਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ, ਪੁਰਨੀ ਦਾ ॥,
‘ਰੋਜ਼, ਨਵਾਂ ਸ਼ਿੰਗਾਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ, ਪੁਰਨੀ ਦਾ’ ॥

ਭਾਗਾਂ ਵਾਲੇ, ਭਗਤ ਨੇ ਓਹ,
“ਜਿਹਨਾਂ ਤੇ, ਰਹਿਮਤ ਹੁੰਦੀ ਏ” ।
ਮਨੀ ਸੁਣਾਵੇ, ਭੇਟਾਂ ਮਾਂ ਨੂੰ,
“ਭਣੀਆ ਆਖ ਹੀ, ਬਹਿ ਰੇ ਸੁਣਦੀ ਏ”
ਮੰਗਦਣ, ਜਿੱਤ ਥਿਆਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ, ਪੁਰਨੀ ਦਾ ॥,
‘ਰੋਜ਼, ਨਵਾਂ ਸ਼ਿੰਗਾਰ, ਮਾਂ ਚਿੰਤਾ, ਪੁਰਨੀ ਦਾ’ ॥

Shingaar Maa Chinta Purni Da Lyrics in Hindi

सबना ते उपकार, मां चिंता पुरनी दा,
‘रोज़, नवा शृंगार, मां चिंता पुरनी दा’।

लाल लाल ही, चूड़ियां मां दियां,
लाल ही, मां दियां चुन्नियां ने।
ओहदे बेड़े, पार हो जांदे ने,
'जिन्हां ने वी, डोरियां सुट्टीयां ने'।
मिलदा, सबनू प्यार, मां चिंता पुरनी दा,
'रोज़, नवा शृंगार, मां चिंता पुरनी दा'।

रंग-बिरंगे, फुल्लां दे नाल,
'मां दी, पिंडी सजदी ए'।
जी करदा, बस वेखदा जावां,
'बड़ी, प्यारी लगदी ए'।
सब, खुल्ले करन दीदार, मां चिंता पुरनी दा,
'रोज़, नवा शृंगार, मां चिंता पुरनी दा'।

भागां वाले भगत ने ओह,
'जिन्हां ते, रहमत हुंदी ए'।
मनी सुनावे, भेटां मां नू,
'मइया आप ही, बैठ के सुनदी ए'।
मांगदन, जित प्यार, मां चिंता पुरनी दा,
'रोज़, नवा शृंगार, मां चिंता पुरनी दा'।

Shingaar Maa Chinta Purni Da Lyrics in English

Sabna te upkaar, maa chinta purani da,
'Roz, nava shringar, maa chinta purani da.'

Laal laal hi, choodiyan maa diyan,
Laal hi, maa diyan chunnian ne.
Ohde binde, paar ho jaande ne,
'Jinha ne vi, doryan suttiyan ne.'
Milda, sabnu pyaar, maa chinta purani da,
'Roz, nava shringar, maa chinta purani da.'

Rang-birange, phullan de naal,
'Maa di, pindi sajdi ae.'
Ji karda, bas vekhda jaavan,
'Badi, pyaari lagdi ae.'

Sab, khulle karan didaar, maa chinta purani da,
‘Roz, nava shringar, maa chinta purani da.’

Bhagan wale bhagat ne oh,
‘Jinha te, rehmat hundi ae.’
Manni sunaave, bhetan maa nu,
‘Maiya aap hi, baith ke sundi ae.’
Maangdan, jit pyaar, maa chinta purani da,
‘Roz, nava shringar, maa chinta purani da.’

About Shingaar Maa Chinta Purni Da Bhajan in English

“Shingaar Maa Chinta Purni Da” is a devotional bhajan that beautifully praises the divine mother, Maa Durga (also known as Maa Chinta Purni), and expresses deep reverence for her grace and blessings. This bhajan highlights the endless love and care that Maa showers upon her devotees, emphasizing her role as the protector and nurturer.

The lyrics of the bhajan describe the beautiful adornments of the goddess, including her red bangles and the vibrant colors of her attire, symbolizing her vibrant energy and divine beauty. The mention of her “pindi” (idol) being decorated with flowers reflects the devotion of the followers who offer their love and reverence through daily rituals and prayers.

The bhajan also emphasizes the idea that Maa Chinta Purni listens to the prayers of her devotees and grants them her blessings. It speaks of the peace and fulfillment that comes when one surrenders to the divine mother. The repeated mention of “Roz nava shringar” indicates the continuous adornment and worship of the goddess, symbolizing that her beauty and grace are eternal.

This bhajan conveys a sense of devotion, trust, and the infinite love that Maa has for her children. It serves as a reminder of her presence in every aspect of life and encourages devotees to seek her blessings for strength, protection, and peace. The bhajan celebrates the divine motherhood of Maa Chinta Purni and her eternal love for all her followers.

About Shingaar Maa Chinta Purni Da Bhajan in Hindi

“शृंगार मां चिता पुरनी दा” भजन के बारे में

“शृंगार मां चिता पुरनी दा” एक अत्यंत भावपूर्ण भजन है जो मां दुर्गा (जिन्हें मां चिता पुरनी के नाम से भी जाना जाता है) की स्तुति करता है। यह भजन मां के दिव्य रूप और उनकी कृपा को दर्शाता है, जिसमें भक्त अपनी गहरी श्रद्धा और भक्ति के साथ उनकी पूजा करते हैं।

भजन में मां के शृंगार का वर्णन किया गया है, जैसे उनकी लाल चूड़ियां और लाल चुनरी, जो उनके शक्तिशाली और समृद्ध रूप का प्रतीक हैं। मां के चरणों में श्रद्धा से फूल चढ़ाए जाते हैं और उनका भव्य रूप हर दिन नए शृंगार से सजाया जाता है, जो दर्शाता है कि मां की पूजा और समर्पण निरंतर और सजीव है।

यह भजन यह भी बताता है कि मां चिता पुरनी अपने भक्तों की पुकार सुनती हैं और उनकी चिंता और संकटों को दूर करती हैं। भजन में मां के साथ भक्तों के प्रेम और विश्वास को भी व्यक्त किया गया है, जो यह मानते हैं कि मां की कृपा से उनके जीवन में हर बाधा दूर हो जाती है।

“रोज़ नया शृंगार” का जिक्र करते हुए यह भजन यह दर्शाता है कि मां की उपासना में कोई थमाव या कमी नहीं होती। वह हमेशा अपने भक्तों के साथ होती हैं, उन्हें आशीर्वाद देती हैं और उनके जीवन को शांति और समृद्धि से भर देती हैं।

यह भजन मां दुर्गा की अनंत महिमा और शक्ति का प्रतीक है, जो अपने बच्चों की रक्षा करती हैं और उन्हें हर संकट से बाहर निकालती हैं। यह भजन भक्तों को मां की भक्ति में लीन होने और उनके आशीर्वाद की प्राप्ति की प्रेरणा देता है।